

कोई देता अंडे, कोई देता बच्चे



नीतू और नीशू की परीक्षा हो चुकी थी। दोनों वहाँ छुट्टियाँ का मज़ा ले रही थीं। एक दिन दोपहर में दोनों अज्जे कागरे में लेटी हुई थीं।

नीशू बोली— दीदी, देखो न, वे दो गौरैया तिनके धून रही हैं और इन्हें डाली पर झकड़ता कर रही हैं।

नीतू— हाँ, ये अज्जा घोंसला बना रही हैं। फिर ये घोंसले में अंडे देंगी। अंडों से **उनके** बच्चे निकलेंगे।

नीशू अंडे देखने को बहुत उत्सुक थी। गमी बढ़ने लगी। उन्होंने डरोखे पर पानी रख दिया। **कुछ दिनों बाद** गौरैया ने तीन छोटे और उज्जले अंडे दिए। नीशू जोर से चिल्लाई—दीदी! दीदी! घोंसले में अंडे आ गए।

नीतू बोली— गलती से भी अंडों को छूना नहीं। नहीं तो अंडों से **बच्चे नहीं** निकलेंगे।

कुछ दिनों बाद उस घोंसले से चीं—चीं की आवाज़ आने लगी। नीशू ने घोंसले में झाँका तो खुशी के गारे झूम उठी। अंडों से तीन छोटी—छोटी गौरैया जो निकली थीं।



बताइए—

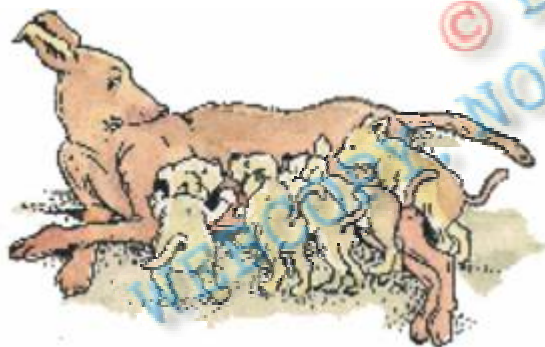
- (i) कौन-कौन से जीव-जन्तु अंडे देते हैं?

(ii) क्या अंडों से बच्चे तुरंत निकल आते हैं? यदि कुछ दिनों के बाद निकलते हैं तो इस बीच अंडों के साथ उनकी माँ क्या करती है?

(iii) कुछ जीव—जन्तु एक बार में एक और कुछ एक बार में एक से अधिक अंडे देते हैं। इनके बारे में पता करके नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र. रा.	एक बार में एक अंडा देनेवाले जीव	एक बार में अनेक अंडे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		
4.		

नीचे वन चित्र देखकर बताइए कि क्या ये जीव भी अंडे देते हैं ?



2. (i) पिछले पृष्ठ पर बन चित्रों में क्या समानता है?

(ii) कुछ जीव अंडे न देकर सीधे बच्चों को जन्म देते हैं। अपने अपने आरा-पारा ऐसे बहुत से जीव-जन्तु और उनके बच्चों को देखा होगा। उनके नाम लिखिए।

(iii) अलग-अलग जीव-जन्तुओं के बच्चों को हम अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। नीचे कुछ जीव-जन्तुओं के नाम दिए गए हैं। उनके सामने उनके बच्चों के नाम लिखिए।

जीव-जंतु का नाम	बच्चे का नाम	जीव-जंतु का नाम	बच्चे का नाम
गाय	बछड़ा	बलरी	
बैर		मनुष्य	
कुत्ता		रुआर	
मेंढ		शेर	

(iv) इन जीवों में से कुछ एक बार में एक बच्चे को ही जन्म देते हैं और कुछ एक से अधिक। अब इस सार-नी के पूरा जीजिए।

क्र.सं.	एक बार में एक बच्चे देनेवाले जीव	एक बार में एक से अधिक बच्चे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		

3. आपने अपन घर में या आस-पास बहुत स जीवां के नयजात बच्चों का देखा होगा। ऐस जीवों के नाम लिखिए जो पैदा होत हैं—

(i) चलने लगते हैं —————

(ii) नहीं चलते हैं —————

(iii) जिनके मुँह में शुरू से दाँत होते हैं
—————

(iv) जिनके मुँह में शुरू से दाँत नहीं होते हैं
—————

4. क्या जानवर अपने बच्चों की देखभाल करते हैं? किन्हीं दो जानवरों को ध्यान से देखिए। वे अपने बच्चों की देखभाल कैसे करते हैं? लिखिए।

—————
—————
—————

5. इस वर्ग में कुछ अंड और कुछ बच्चे देनेवाले जीवों के नाम लिखिए हैं। उन्हें खोजिए और लिखिए।

शु	ल	र	त	र	क	क
व	म	ग	ब	ड	ट	छ
छि	बं	मि	ब	ह	री	आ
प	द	डा	य	ना	र	र
कि	र	डों	कं	म	च्छ	र
ली	ह	लि	न	रि	व	ग
जू	धी	न	रु	त	ल	छ
अ	ज	ग	र	ली	री	ली

बच्चे देनेवाले जीव

अंडे देनेवाले जीव

—————
—————
—————
—————
—————
—————
—————
—————

(शिक्षक बच्चे देनेवाले जीवों को लाल रंग अंडे देनेवाले जीवों को हरे रंग से रंगने की गतिविधि भी करवा सकते हैं।)

कमी—कमी कुछ इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं। जब इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं, तो वे बच्चों को गोद ले सकते हैं। कुछ रांस्थाएँ कानूनी तौर पर यह मदद करती हैं।

6. नीचे लिखी कविता को पढ़िए। कविता के आधार पर पृष्ठ पर दी गई खाली जगह में चित्र बनाइए।

हँसते—खेलते बच्चे

मुर्गी—बत्तख अंडा देते,
गाय—बल्लरी देते बच्चे,
ये बच्चे परिवार में,
देखो लगते कितने अच्छे।
कुत्तेया हगको पेल्ले देती,
रुआर बेटी छीना,
साँप लिपकली अंडे देते,
बिल हो चाहे कोना।
हल—डॉलिंग के बच्चे,
पानी में हैं दौड़ लगाते,
बमगावड़ के बच्चे उड़लर
अंधेरे में भी धूम मचाते।
गगर—छड़ियाल अपने अंडे,
गल्ल स्रोत छिनात हैं,
कछुए जब देते हैं अंडे
बलू का घर बनाते हैं।